पाठ 19. लालू

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में समस्या के समाधान की क्षमता संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे जीवन में आने वाली समस्याओं के समाधान से सकारात्मक रूप से निपटने की क्षमता विकसित कर सकें। हम अपने विश्वासों-अंधविश्वासों के चक्कर में दूसरे प्राणियों की बलि देकर भगवान या देवी-देवता के प्रसन्न होने की आशा करते हैं। कोई भी भगवान जैसी सत्ता भला किसी निर्दोष-निरीह के प्राण लेकर कभी प्रसन्न हो सकती है! नहीं। इतनी महत्वपूर्ण बात एक सीधी-सादी घटना के वर्णन में कैसे पिरोई जा सकती है, यह दर्शाया गया है इस कहानी में।

पाठ का सार

इस कहानी का मुख्य पात्र लालू है। उसी के इर्द-गिर्द पूरी कहानी घूमती है। काली पूजा के लिए बलि देने वाला कोई व्यक्ति उस दिन मिल नहीं रहा था। ऐसे में लालू को याद किया गया क्योंकि बचपन से ही लालू साहस और दूसरों के काम आने के लिए जाना जाता था। लालू ने बकरा काटने के लिए जाने से मना किया। उसके पिता ने उससे कहा कि उसे समाज की ज़रूरत को पूरा करना चाहिए।

लालू राज़ी हो गया। उसने बकरे की बलि भी दी लेकिन उसने ऐसा स्वाँग रचा कि देवी उस पर सवार हो गई हैं। उसे बलि के लिए और बकरे चाहिए। वह और बकरे न मिलने पर पुरोहित जी और मनोहर चट्टोपाध्याय की ही बलि देने पर उतारू जान पड़ा। कहानी भय, रोमांच और हास्य का वातावरण पैदा करते हुए अंत में बलि प्रथा के विरोध में ज़मीन तैयार करती हुई जान पड़ती है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  लेखक के विषय में, उस समय के समाज के विषय में जानकारी प्राप्त कर उसे बच्चों के साथ साझा करें। पाठ में आए नए शब्दों को पृष्ठभूमि-निर्माण के समय सम्यक् प्रयोग द्वारा सरलीकृत करने का प्रयत्न करें। वाचन–अनुकरण वाचन के दौरान उच्चारणगत असावधानियों, भूलों और अक्षमताओं का निराकरण करें। चरित्रों के क्रमिक विकास पर पाठांत में चर्चा करें। प्रश्नोत्तर की प्रक्रिया में उत्तर देने के अवसर बच्चों को दिए जाने चाहिए।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 3** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - विशेषण, उपसर्ग और मूल शब्दों को अलग करना, पूर्वकालिक क्रिया या प्रेरणार्थक क्रिया तथा शब्दों से वाक्य बनाने की सीख बच्चों को दें।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - 'अंधविश्वास हमें विरासत में मिला है।'–इस विषय पर एक व्यंग्यात्मक बहस आयोजित की जाए। जहाँ बच्चों को अपनी बात कहने में शब्दों का संकट नज़र आए, वहाँ उन्हें यथोचित सहयोग दें।